

कार्यालय सहायक संचालक

नगर तथा ग्राम निवेश जिला कार्यालय विदिशा-रायसेन (म0प्र0)

काम्रा/ १९० / विअ/ न०ग्रामी०/ २०१०

विदिशा, दिनांक १६.१२.१०

प्राप्ति:

श्री हरिभारायण

अठ मनोरम निवासी रायसेन

जिला- रायसेन (म0प्र0)

प्रिपथ : कस्ता रायसेन की भूमि खसरा कर्मांक २०६५३५ रकवा। ४०:८ वर्ग फीटर भूमि पर

आवासीय उपयोग हेतु विकास अनुज्ञा चाहत् ।

संदर्भ : आपका आवेदन पत्र दिनांक । ३.१२.१०

— ० —

उपरोक्त विषयात्तर्गत एवं संदर्भ में कस्ता रायसेन की भूमि खसरा कर्मांक २०६५३५ वर्ग फीटर भूमि पर
रकवा। ४०:८ वर्ग फीटर भूमि का प्रयोग हेतु इस कार्यालय से विकास अनुज्ञा चाहा गया है
। रायसेन विकास योजना में प्रश्नाधीन भूमि वर्तमान कार्यालय का मूल - उपयोग में निर्दिष्ट है।

अतः प्रश्नाधीन भूमि पर स्वयंकार्यालय का उपयोग हेतु मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम १९७३ की
धारा ४४(१) (ख) एवं म० प्र० भूमि विकास नियम १९८४ के नियम २७ (१) के प्रावधान अनुसार निम्न
शर्तों के आधार पर विकास अनुज्ञा प्रदान की जाती है।

१. निवासियों अधिनियम / नियम / सक्षम अधिकारियों तथा संस्था से अनापत्ति/अनुज्ञा लेना अनिवार्य
होगा ।

१. मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता १९५९

२. भू-अर्जन अधिकारी कार्यालय कलेक्टर, रायसेन

३. नजूल अधिकारी रायसेन

४. मध्यप्रदेश राज्य विधुत मण्डल

५. जल संसाधन विभाग (बांध नहर नदियों से लगी भूमि को विकास हेतु)

६. उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य किसी अधिनियम के अंतर्गत या कोई अनुमति य अनापत्ति की
आवश्यकता हो तो वह विकास/ निर्माण के पूर्ण अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा ।

२. इस विकास अनुज्ञा के अतिरिक्त अन्य प्रयोजन हेतु परिवर्तन अथवा किसी भी प्रकार से भूमि का उपयोग जन
भान्य नहीं होगा ।

३. प्रश्नाधीन भूमि के सम्मुख मार्ग के मध्य से। ४.० मीटर मार्ग त्विरतार हेतु भूमि छोड़ने के पश्चात भी
निर्माण करना होगा । ~~भूमि भवान मार्ग के लिए~~

४. प्रश्नाधीन भूमि में निर्मित होत्र मानसित्र में नार्था। ६०% अनुसार मान्य होगा ।

लाल

5. एफ. ए. आर. 1.00 तथा भवन की अधिकतम ऊँचाई 12.00 मीटर।
6. एमओ. एस. निनानुसार है :-
 सामने - 3.00 मीटर पीछे - 2.5 मीटर आजू - 2.50 मीटर
 हेतु भूमि छोड़ना आवश्यक होगा।
7. नव्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 33 के प्रावधानों के अनुलेप यह अनुज्ञा जारी होने के दिनांक से तीन वर्ष तक की कालाघधि तक प्रवृत्त रहेगी।
8. विद्युत लाइन के नीचे किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य मान्य नहीं होगा।
9. न० ३० भूमि विकास नियम 1984 के नियम ७८ (4) के प्रावधानों के अनुसार रेनवाटर हार्डिंग / रुफवाटर हार्डिंग की प्रक्रिया अपनानी होगी।
10. किसी भी प्रकार की भूमि बाद-विवाद होने पर यह स्वतः निरस्त मानी जावेगी।
11. इस अनुज्ञा को भू - स्वामित्व का दस्तावेज न समझ जावें।
12. यह अधिसत अहस्तांतरणीय होगी तथा यह अनुज्ञात उपयोग के अतिरिक्त अन्य उपयोग मान्य नहीं होगा।
13. प्रश्नाधीन भूमि / भूखण्ड पर जारी की जाने वाली भवन अनुज्ञा की प्रति इस कार्यालय को भी अनिवार्य लप से प्रेषित करें एवं भवन अनुज्ञा / अनुमति नगर पालिका रायसेन से प्राप्त की जाना होगा।
14. उपरोक्त किसी भी शर्तों का उल्लंघन करने पर यह अनुज्ञा नव्यप्रदेश भूमि विकास नियम 1984 के नियम 25 के तहत रिवोक कर दी जावेगी।

S. J. B.
सहायक सचालक

नगर तथा ग्राम निवेश

जिला कायालय विदिशा

०८

विदिशा दिनांक 16.12.10

पृष्ठ के / 1901, 1902 / विअ/नग्नानि/10

प्रतिलिपि :-

1. अनुविभागीय अधिकारी, रायसेन की ओर कृपया सूचनार्थ।
2. मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका रायसेन की ओर कृपया सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

S. J. B.

सहायक सचालक

नगर तथा ग्राम निवेश

जिला कायालय विदिशा

dear